गुलदस्ता

ग़ज़ल संग्रह

ग़ज़लकार-
डॉ. लालजी सहाय श्रीवास्तव 'लाल'

Scanned with OKEN Scanner

गुलदस्ता

ग़ज़ल संग्रह

चाहे जाप करें हम निशिदिन- दान करें घर-द्वार,
मात-पिता को बिसराया तो- सभी पुण्य बेकार.

-डॉ. लालजी सहाय श्रीवास्तव 'लाल'

सादर सप्रेम भेंट

ला. स. श्रीवास्तव

१४ मई २०१०

Scanned with OKEN Scanner

- कृति - 'गुलदस्ता' ग़ज़ल संग्रह
- रचयिता - डॉ. लालजी सहाय श्रीवास्तव 'लाल'
- प्रकाशन वर्ष - 2010
- प्रकाशक - सौरभ साहित्य संस्थान उ.प्र. गुरसराय, जिला- झाँसी
- प्रथम संस्करण - 500 प्रतियाँ

- सर्वाधिकार सुरक्षित - रचयिता के अधीन

- सहयोग राशि - 151/- रूपये मात्र
- टाईप सेटिंग एवं मुद्रण - नोबल प्रिंटर्स, कटरा बाजार, नगर पालिका के नीचे, टीकमगढ़ (म.प्र. मोबाईल : 9993268032

।। अनुक्रमणिका ।।

1. समर्पण 5
2. आभार 6
3. अपनों से अपनी बात- डॉ. लालजी सहाय श्रीवास्तव 'लाल' 7
4. भूमिका- विन्ध्यकोकिल भैयालाल व्यास, छतरपुर 11
5. संदेश- मा. डॉ. वीरेन्द्र कुमार सांसद 19
6. अंतर्मन से- मा. श्री के. के. श्रीवास्तव, अध्यक्ष नगर पालिका, टीकमगढ़ 20
7. मंगल मैत्री के दो शब्द- मा. श्री मंगललाल जी गोइल, पूर्व विधायक 21
8. अभिमत- श्री महेन्द्रसिंह तोमर 'अंबुज', निदेशक सौरभ साहित्य संस्थान उ.प्र. 23
9. डॉ. कैलाश बिहारी द्विवेदी 24
10. पं. कपिल देव तैलंग 25
11. डॉ. दुर्गेश दीक्षित 'दुर्गेश' 26
12. डॉ. देवी प्रसाद खरे 'प्रसाद' 27
13. श्री हरिविष्णु अवस्थी 28
14. जनाब अब्दुल सलाम छतरपुरी 29
15. जनाब गनी अहमद गनी 30
16. सरस्वती वन्दना 31
17. ना'त शरीफ-पयम्बर हैं मुस्तफा 33
18. भाई चारा सिखा गया सबको 35
19. आप मेरा वतन देखिए 37
20. परचम की आबरू 39
21. गमखाना बनाया है 41
22. दरिया लहू के बहाये हैं 43
23. शत्-शत् नमन करो 45
24. आईना-आईना नहीं लगता 47
25. मातम दिखाई देता है 49
26. घास जब से आदमी चरने लगा 51
27. आदमी को आदमी भाता नहीं 53
28. वार से अपनों के 55
29. दिल में सच की रौशनी पैदा करो 57
30. गुलशन में आग 58
31. नफरतों से बचा कीजिए 59
32. दिन, गरीबों को रात काली है 60
33. लोग वादों से मुकरते हैं 61
34. मदिरालय सुख धाम हो गये 62
35. कुर्ब का सिलसिला दीजिये 63
36. दुष्टों के विश्राम हुए हैं 64
37. है माहौल तनाव का 65

38.	अच्छा नेक समाज बनाओ	66
39.	हम तरसते ही रहे हैं	67
40.	देख लो फिर बेकसूरों का	68
41.	लोग अच्छे-बन्दगी समझे नहीं	69
42.	क्या खाक उसे मिलेगा	70
43.	कब तक वतन में अपने	71
44.	सफर सफर है	72
45.	किसी दिन मुझे भी	73
46.	अब तो माँ-बाप को	74
47.	'लाल' दुनिया के सितम	75
48.	अब तरसता है क्यूँ	76
49.	गिरे हुओं को उठाओ	77
50.	एक स्वर में वे	78
51.	इन्सान में इन्सान का डर	79
52.	रज वो माथे से	80
53.	चिलचिलाती धूप में	81
54.	सब सपने साकार हो गये	82
55.	अर्श से फर्श पै	83
56.	धरती के आँगन में	84
57.	तुम सच्चे इंसान बनो	85
58.	हम एकता की राह में	86
59.	रुख हवाओं का	87
60.	बस्तियाँ फिर जला गया	88
61.	घर से बाहर बात हो गयी	89
62.	मातमकदा कैसे हुआ	90
63.	हमेशा के लिये पीहर का	91
64.	कैसे कटी है रात	92
65.	अपनी खुशियाँ तो	93
66.	ये बहाने तो सब बहाने हैं	94
67.	क्या कोई भगवान हुआ है	95
68.	आम लोगों की जेब खाली है	96
69.	कभी मातम नहीं करना	97
70.	रहबरी बेकार है	98
71.	फूल काँटों में पला करते हैं	99
72.	मिस्ले गुल दिल में	100
73.	लिखते लिखते प्यार की	101
74.	कलियुग के भगवान	102
75.	सड़कें खस्ता हाल	103
76.	अब जलता हुआ	104
77.	उन्हीं की याद में	105
78.	गरीबों के सितम	106
79.	मूँग छाती पै	107
80.	हसीं कुदरत के	108
81.	फजा वतन की	109
82.	बूढ़े बेघर बार होत हैं	110

।। समर्पण ।।

जिनकी गोद के आत्मीय सान्निध्य में मेरे शैशव ने
किलकारियाँ भरीं,
जिनके आँचल की ममतामयी छाया में मैंने संस्कारों
की परिभाषा जानी,
जिनके श्री चरणों में मुझको स्वर्ग-सुख बिखरा मिला,
अपनी उन्हीं गोलोकवासी पूज्य मातुश्री
श्रीमती गंगादेवी श्रीवास्तव
एवम्
जिनके बोध-उद्यान में मेरी मेधा पल्लवित-पुष्पित हुई,
जिनके अस्तित्व-भान ने मुझे सजग, स्वावलम्बी और
दृढ़-निश्चयी बनाया,
जिनकी नम्रता, दया और करुणा ने मुझे मानवीय मूल्यों
का आदर करना सिखलाया.
अपने उन्हीं गोलोकवासी पूज्य पिताश्री
श्री बल्देवप्रसाद जी श्रीवास्तव
के श्री चरणों में अशेष श्रद्धा सहित ।

डॉ. लालजी सहाय श्रीवास्तव 'लाल'

कवि परिचय

नाम - डॉ. लालजी सहाय श्रीवास्तव

उपनाम - 'लाल'

माताश्री - स्व. श्रीमती गंगा देवी श्रीवास्तव

पिताश्री - स्व. श्री बल्देवप्रसाद जी श्रीवास्तव

सहधर्मणी - श्रीमती मुन्नीदेवी श्रीवास्तव 'ललित'

जन्मतिथि - एक जनवरी 1943

जन्म स्थान - ग्राम गुढ़ा बुजुर्ग, तहसील- महरौनी, जिला- ललितपुर (उ.प्र.)

शिक्षा - बैद्य विशारद, आयुर्वेद रत्न उपाधि (हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग)

स्थाई निवास - गंगा सदन, न्यू इंदिरा कालोनी, टीकमगढ़ (म.प्र.)

मोबाइल नं. - 09424673449

व्यवसाय - सेवा निवृत्त हेल्थ असिस्टेन्ट

काव्य रूचि - कविता, गीत, गजल, छंद, मुक्त छंद, व्यंग्य आदि विधाएँ

सम्प्रति -
1.उपाध्यक्ष, सौरभ साहित्य संस्थान उ.प्र. गुरसराय (झाँसी)
2.उपाध्यक्ष, सृजन भारती विन्ध्याँचल, खाँदी, तालबेहट,ललितपुर
3.संरक्षक, आकांक्षा पत्रिका, म.प्र. लेखक संघ, टीकमगढ़
4.सह संयोजक, संघर्ष पुरूष स्व. बख्शी गंगाप्रसाद श्रीवास्तव स्मृति समारोह, टीकमगढ़ (म.प्र.)
5.संगठन सचिव, शेरे बुंदेल अमर शहीद नारायणदास खरे जन जागरण समिति, टीकमगढ़ (म.प्र.)
6.महासचिव, अखिल भारतीय बुंदेलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद, भोपाल, जिला- शाखा टीकमगढ़ (म.प्र.)
7.प्रचार सचिव, तंजीम बज्मे अदब टीकमगढ़ (म.प्र.)
8.जिलाध्यक्ष, जिला साहित्य एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ भा.ज.पा,टीकमगढ़
9.अशासकीय सदस्य, जिला स्तरीय सतर्कता समिति, टीकमगढ़ (बंधक श्रमिकों की पहिचान, मुक्ति एवं पुनर्वास)
10.धन्वन्तरि औषधालय का संचालन,

अप्रकाशन - 1. गंगा काव्य धारा, 2. 'लाल' की चौकड़ियाँ

सम्मानोपाधि - शब्द शिल्पी- म.प्र. लेखक संध, भोपाल
साहित्य शिरोमणि- सौरभ साहित्य संस्थान उ.प्र. गुरसराय (झाँसी)
अखिल भारत वैचारिक क्रांति मंच सम्मान निराला नगर लखनऊ (उ.प्र.)

ग्रंथों में प्रकाशित रचनाएँ-1. अभिनन्दन ग्रंथ, पं. श्री श्रीनिवास शुक्ल छतरपुर पृ.क्र. 171
2. अभिनन्दन ग्रंथ, डॉ. रामनारायण शर्मा, झाँसी पृष्ठ क्र. 450
3. स्मृति ग्रंथ, स्व. श्री सुरेश चन्द्र शास्त्री, झाँसी पृष्ठ क्र. 90
4. अभिनन्दन ग्रंथ विंध्य कोकिल पं.श्री भैयालाल व्यास छतरपुर पृष्ठ क्र. 35
5. अनामिका स्मृतिग्रंथ- स्व. डा. रामनाथ सेन 'राना'वर्ष 08 पृष्ठ क्र. 17

पत्रिकाओं में प्रकाशित रचनाएँ- 1. प्रखर (काव्य संकलन) भोपाल (वर्ष 06) पृष्ठ क्र. 35
2. जज्बात गजल संग्रह (वर्ष 04) बज्मे अदब टीकमगढ़ पृष्ठ क्र. 35-40
बुंदेलखण्ड कायस्थ पत्रिका-झाँसी वर्ष 2007 पृष्ठ क्र. 15
इनके अतिरिक्त विभिन्न समाचार पत्रों में रचनाएँ प्रकाशित।

प्रसारण - आकाशवाणी छतरपुर में काव्य सुमन के अंतर्गत नियमित प्रसारण
भोपाल दूरदर्शन से बुंदेली काव्य का प्रसारण।

कवि सम्मेलन- विभिन्न कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ

(Printed by : Noble Printers, Tkg. 9993268032)

Scanned with OKEN Scanner